एक कहानी यह भी

कहानी का सार

यह कहानी मन्नू भंडारी के जीवन पर आधारित है। उनके चरित्र निर्माण में उनके पिता तथा अध्यापिका शीला अग्रवाल का बहुत योगदान रहा है। इनके द्वारा ही लेखिका का व्यक्तित्व उभर कर आ पाया है। मन्नू भंडारी ने यह बताने का प्रयास किया है कि यदि एक लड़की को सही दिशा मिले, तो वह असाधारण बन सकती है। इसमें आज़ादी की लड़ाई के समय देश में हो रही उथल-पुथल का भी पता चलता है।

लेखिका के पिता की स्वभावगत विशेषताएँ

- क्रोधी
- शक्की
- अहंकारी
- कुंठाग्रस्त
- सहयोग देने वाले
- उच्च महत्वाकांक्षाओं वाले
- लड़कियों की शिक्षा के समर्थक
- सामाजिक प्रतिष्ठा की लालसा रखने वाले

लेखिका की माँ की स्वभावगत विशेषताएँ

- सरल
- विनम्र
- संतोषी
- डरपोक

लेखिका की स्वभावगत विशेषताएँ

- सरल
- साहसी
- बुद्धिमान
- समझदार
- देश से प्रेम
- विचारशील
- स्वाभिमानी
- हीन भावना से ग्रस्त
- अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाने वाली

कहानी का उद्देश्य

- अन्याय को नहीं सहना चाहिए।
- डर के स्थान पर साहस से काम लेना चाहिए।

➳ हीनभावना मनुष्य के जीवन को प्रभावित कर सकती है।
➳ सुंदरता के स्थान पर मनुष्य के गुणों को महत्व देना चाहिए।
➳ मनुष्य को प्रत्येक स्थिति को स्वीकार कर आगे बढ़ना चाहिए।

<u>पाठ से मिलने वाला संदेश / शिक्षाएँ</u>
➳ अन्याय के प्रति आवाज़ उठाने की सीख देना।
➳ अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने की सीख देना।
➳ परिवार में लड़कियों की उपेक्षा करने के स्थान पर आगे बढ़ने की सीख देना।
➳ लिंग, रंग, रूप इत्यादि के आधार पर लड़कियों के साथ भेदभाव ना करने की सीख देना।